अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

PART → 6

(258) अतिथि सत्कार की भावना — आतिथ्य/आतिथेय
(259) क्षणभर में नष्ट हो जाने वाला — क्षणभंगुर
(260) मध्यरात्रि का समय — निशीथ
(261) जिसे ऊपर कहा गया हो — उपर्युक्त

- प्रदोषकाल → 6-9pm
- निशीथ → 9-12pm
- त्रियामा → 12-3Am
- उषाकाल → 3-6Am
- पूर्वाह्न → 6AM-9Am
- मध्याह्न → 9AM-12pm.

(262) दोपहर के बाद का समय → अपराह्न – 12pm-3pm
- सांयकाल → 3pm-6pm

(263) संध्या और रात के बीच का समय → गोधूलि
(264) हमेशा रहने वाला → शाश्वत
(265) जो पूजा के योग्य हो → पूजनीय
(266) जो देश से प्रेम करता हो → देशभक्त
(267) जिस पुरुष का स्वर्गवास हो गया हो → दिवंगत
(268) दो भाषाएँ बोलने वाला → द्विभाषी
(269) जिसने उधार लिया हो → ऋणी
(270) जहाँ सेना रहती हो → सैन्यवास/छावनी
(271) जो बहुत भाषाएँ जानता है → बहुभाषविद्
(272) जो पहले कभी नहीं सुना गया → अश्रुतपूर्व
(273) बारह से सोलह वर्ष की आयु की नायिका → किशोरी
(274) सौ वर्षों का समूह → शताब्दी
(275) विष्णु का उपासक → वैष्णव
(276) जिसको छोड़ा नहीं जा सकता हो → अत्याज्य

(277) जो आँखो से सुना हो — चक्षुश्रवा
(278) जिसका उत्तर नहीं दिया जा सके — अनुत्तरित
(279) जो किसी की एवजी में कार्य कर रहा हो — स्थानपान्न
(280) जो कुछ समय के लिए नियुक्त किया गया हो — अंशकालिक
(281) वह राजकीय धन जो किसानो की सहायतार्थ दिया जाता है — तकावी/सहायिकी
(282) जीवन के एक अंश को लेकर लिखा गया काव्य — खण्डकाव्य
(283) सम्पूर्ण जीवन चरित्र पर लिखा गया काव्य — प्रबंधकाव्य
(284) वह स्थान जहाँ सर्दी-गर्मी को नियंत्रित किया गया हो — वातानुकूलन
(285) किसी छोटे से छोटे काम में त्रुटि ढूँढना — छिद्रान्वेषी
(286) बाँये हाथ से काम करने वाला — सव्यसाची, डेबरा
(287) दीन-दुखियों को भोजन देने की व्यवस्था — सदावर्त
(288) जिसके चार भुजायें हो — चतुर्भुज
(289) जिसकी पत्नी मर गयी हो — विधुर
(290) जो मरने का इच्छुक हो — मुमूर्षु
(291) बर्तन बेचने वाला — कसेरा
(292) जो न जानता हो उसे — अज्ञ / अनभिज्ञ
(293) जो जानता हो उसे — अभिज्ञ / ज्ञाता
(294) समय की पहचान करने वाला — कालज्ञ
(295) कार्य करने की इच्छा — चिकीर्षा
(296) लम्बे समय तक जीने वाला — चिरंजीवी
(297) स्त्रियों द्वारा अपनी इज्जत बचाने के लिए किया गया सामूहिक अग्नि प्रवेश — जौहर
(298) जो ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा रखता हो — ज्ञानपिपासु
(299) जनता को सूचना देने हेतु बजाया जाने वाला वाद्य — ढिंढोरा
(300) जिसकी आँखे मगर जैसी हो — मकराक्ष

(301) माता की हत्या करने वाला — मातृहंता
(302) जो असत्य (झूठ) बोलता हो — मिथ्यावादी
(303) जिस स्त्री की आँखे मछली के समान हो — मीनाक्षी
(304) जिसे दूर करना कठिन हो — दुर्निवार
(305) जो बहुत मंद गति से कार्य करता हो — मंथर
(306) जो अपने कर्तव्य का निश्चय न कर सके — किंकर्तव्यविमूढ़
(307) अनेक युगों से चले आने वाले — सनातन